भारत का राजपम The Gazette of India

्रिमसाबारस ८४४२ ४००४

EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—उप-लण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार् से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

N. Secon

सं∘ 291]

नई विल्ली, मंगलवार, विसम्बर 5, 1972/ग्रप्रहायरा 14, 1894

No. 291] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 5, 1972/AGRAHAYANA 14, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के कप में शक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

Customs

New Delhi, the 4th December 1972

G.S.R. 479(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 148-Customs, dated the 15th November, 1969, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Table annexed hereto and falling under Item No. 28 of the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India for the manufacture of penultimate dye-intermediate, or dyestuff, or both, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of—

- (i) 40 per cent ad valorem, where the standard rate of duty is leviable; and
- (ii) 30 per cent ad valorem, where the preferential rate of duty is leviable:

Provided that the importer shall execute a bond undertaking to pay on demand an amount equal to the duty which would have been, but for such exemption, leviable on the goods or any part thereof, which have been used for any purpose other than the purposes specified in this notification:

Provided further that the Assistant Collector of Customs may, if he is satisfied that the goods are required for the purpose specified in this notification, exempt the importer from executing any bond.

2. Every bond referred to in paragraph 1 shall be for an amount equal to the duty which has not been levied because of the exemption made by this notification and shall be in such form and with such surety as may be specified by Assistant Collector of Customs.

TABLE

- 1. Alpha Naphthylamine
- 2. 2-Choloro-4-nitro aniline
- 3. 3,3'-Dichloro banzidine
- 4. N. N. Diethylaniline
- 5. 3,3'-Dichloro Benzidine dihydrochloride,
- 6. Meta-dinitro benzene
- 7. Meta nitro chloro benzene
- 8. Mono-chloro-para-xylene (1-chloro-2, 5-dimethyl benzene or 2-chloro-1, 4-dimethyl benzene).
- 9. Ortho-nitro Chloro benzene
- 10. Ortho nitro toluene
- 11. Ortho Tolidine
- 12. Para nitro toluene
- Para toluidine-ortho-sulphonic acid [Para toluidine (1-methyl 4-amino)-2 sulphonic acid].
- 14. Para nitro chloro benzene.
- 3. This notification shall be in force up to and inclusive of the 31st December, 1974.

[No. 131/F. No. 359/8/72-Cus. I.]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व श्रौर बीमा विभाग)

प्रधिसचनाएं

सीमा शुल्क

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1972

सा ० का ० नि ० 479 (श्र).—सीमा शुल्क ग्रिधिनियम, 1962, (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्सियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के विस्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 148 सीमाशुल्क, तारीख 15 नवम्बर, 1969 को ग्रिधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में भावश्यक है, इससे उपबद्ध सारणी में विनिर्दिष्ट ग्रीर भारतीय टैरिफ ग्रिधिनियम 1934 (1934 का 32) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 28 के श्रन्तगंत ग्राने वाले माल को, जब उसका भारत में श्रायात पूर्वित्तम रंजक वस्तु (Penultimate dye-intermediate) के एप में या रंजक द्रव्य (Dye-stuff) के रूपों में या दोशों रूपों में विनि र्माण करने के लिए किया जाता हो, उस पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क के उतने भाग से जो उक्त प्रथम अनुसूची में विनिदिष्ट है भीर जो,

- (i) जहां मानक दर से शुल्क उद्ग्रहणीय है वहां मूल्यानुसार 40 प्रतिशत; भौर
- (ii) जहां श्रधिमान्य वर से शुल्क उद्ग्रहणीय है, वहां मूल्यानुसार 30 प्रतिशत से श्रधिक है, एतर्द्वारा छूट वेती है ।

परन्तु भ्रायात कर्त्ता एक बन्धपत्न निष्पादित करेगा जिसमें वह इस बात की जिम्मेदारी लेगा कि यदि इस श्रिधसूचना में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों से भिन्न किसी दूसरे प्रयोजन के लिए वह माल भ्रथवा उसका कोई भाग व्यवहार में लाता है तो उसे उस उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम संदत्त करनी पड़ेगी जो उसे ऐसी छूट न होने की दशा में उस पर उद्ग्रहणीय होती :

परेन्तु यह श्रीर कि यदि सहायक कलेक्टर, सीमाशुल्क का यह समाधान हो जाता है कि माल इस अधिसूचना में विनिर्विष्ट प्रयोजनों के लिए अपेक्षित है तो वह श्रायात कर्ता को कोई बन्ध-पन्न निष्पादित करने से छूट दे सकेगा।

2. पैरा 1 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक बन्ध-पन्न गुल्क की उतनी रकम के बराबर होगा जितनी वह इस ग्रिधसूचना द्वारा दी गई छूट के कारण उदग्रहीत नहीं की गई है ग्रीर बन्ध-पन्न ऐसे प्ररूप में ग्रीर ऐसे प्रतिभृति सहित होगा जैसा सहायक कलेक्टर, सीमागुल्क द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

सारणी

- 1. ऐल्फा नैपथिलेमिन
- 2. 2 क्लोरो-4 नाइट्रो ऐनिलीन
- 3. 3:3 डाइक्लोरो बैजीडीन
- 4. एन ० एन ० डाई एथिल-ऐनिलीन
- 3:3 डाइक्लोरी बैंजीडीन डाइहाईड्रोक्लोराइड
- 6. मैटा डाइनाइट्रोबैंजिन
- 7. मैटा नाइट्रो क्लोरो बैंजीन
- 8. मोनो क्लोरो पैरा जाइलीन (1-क्लोरो-2, 5-डाई मैथिल बैंजीन या 2-क्लोरो-1, 4-डाई मैथिल बैंजीन)
- 9. भो-नाइट्रो-मलोरो बैंजीन
- 10 मो-नाइट्रो टालूईन
- 11. म्रो-टालिडीन
- 12. पी-नाइट्रो टालूईन
- 13 पैरा टाल्यूडीन-म्रो-सल्फोनिक म्राम्ल [पैरा टाल्युडीन (1मैथिल-4 ऐमिनो) -2-एल्फोनिक म्रम्ल]
- 14 पैरा नाइट्रो क्लोरो बैंजीन
- 3. यह श्रधिसूचना 31 विसम्बर, 1974 तक, जिसमें 31 दिसम्बर, 1974 भी सम्मिलित है, प्रवृत रहेगी ।

[सं॰ 131/एफ॰ सं॰ 359/8/72-सी॰ मु॰ I]

G.S.R. 480(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 71-Customs dated the 24th May, 1972.

[No. 132/F. No. 355/94/72-Cus. I.]

D. KRISHNAMURTI, Under Secy.

सा ॰ का ॰ नि ॰ 480 (म्र) — सीमागुल्क मधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते द्वुए, केन्द्रीय सरकार, यह समाधान होने पर कि लोक हित में ऐसा करना म्रायण्यक हैं, भारत सरकार के वित्त मझालय (राजस्व भीर बीम विभाग) की मधिसूचना सं ॰ 71 सीमागुल्क तारीख 24 मई, 1972 को एतद्- वारा निरस्त करती है।

[सं॰ 132/एफ॰ सं॰ 355/94/72 सी ॰ मु॰—1] डी॰ कृष्णामूर्ति, म्रवर सचिव।